सीएम की पत्नी को ब्लैकमेल करने वाले आरोपी के साथ दिखे आबकारी अधिकारी

आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही अलीराजपुर में भी अनुपस्थित होने पर हो चुके हैं निलंबित

शाजापुर, 18 मार्च. इन दिनों पूरे प्रदेश में जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही और कलेक्टर के बीच हाईकोर्ट के फैसले को लेकर चर्चा जोरों पर है. लेकिन इससे ज्यादा गंभीर इस बात को लेकर वे चर्चित हो रहे हैं कि उनका पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी को ब्लैकमेल करने वाले आरोपी अनिल जयसिंघानी के साथ दिख रहे हैं. यह वीडियो इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे आरोपी के साथ एक होटल में बैठे नजर आ रहे हैं.

गौरतलब है कि शाजापुर के जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही अपनी कार्यप्रणाली, प्रशासनिक उदासीनता और लापरवाही के प्रति आदतन हैं. अलीराजपुर में भी उनके खिलाफ शासकीय कार्यों के प्रति अरुचि, प्रशासनिक बैठकों में न आना, वरिष्ठ अधिकारियों को झूठी जानकारी देकर गुमराह करने के मामले में वे अलीराजपुर में भी निलंबित हो चुके हैं. इस पूरे मामले को लेकर वरिष्ठ अभिभाषक और आरटीआई एक्टिविस्ट राजेंद्र के. गुप्ता ने *नवभारत* को बताया कि जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही जब अलीराजपुर में पदस्थ थे, तो अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग करके नियम विरूद्ध अवैधानिक रूप से शराब परिवहन किए जाने पर और शराब छुड़वाने पर निलंबित हो चुके हैं. इनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही भी 21.10.2021 को आरोप पत्र क्रमांक 16-2021/1258 जारी हो चुका है. उस समय उपायुक्त आबकारी डॉ. प्रमोद कुमार झा ने 3 फरवरी 2022 को आबकारी आयुक्त मोती महल ग्वालियर कार्यालय से जारी किया था. गुप्ता ने आगे बताया कि एक और पत्र क्रमांक 20-2022/1000 दिनांक 30 सितंबर 2022 कार्यालय आबकारी आयुक्त ग्वालियर डॉ. प्रमोद कुमार झा उपायुक्त आबकारी ने जारी करते हुए पत्र में स्पष्ट लिखा कि जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही लगातार आबकारी अधिकारी के कर्तव्यों से अनुपस्थित रहकर शासन को नुकसान पहुंचा रहे हैं. इनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा रही है. साथ ही जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही के विरूद्ध पुलिस थाना भंवरकुआं इंदौर में दिनांक 26 जून 2021 को एफआईआर क्रमांक 0509/2021 पंजीबद्ध प्रकरण किया गया था. इस पूरे मामले पर आरटीआई एक्टिविस्ट एवं अभिभाषक गुप्ता ने *नवभारत* से चर्चा करते हुए बताया कि मप्र का मोस्ट वांटेड अनिल जय सिंघानी जिसने महाराष्ट्र के उस समय के उप मुख्यमंत्री और वर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस को रिश्वत देने और 10 करोड़ की फिरोती मांगने के मामले में आरोपी बनाया गया था, जिसे गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार कर महाराष्ट्र पुलिस को सौंपा. 37 साल के बाद 2023 में ये आरोपी पुलिस के हाथ लगा. गुप्ता ने बताया कि 17 मार्च 2023 को उक्त आरोपी की बेटी फैशन डिजाइनर अनिक्षा जय सिंघानी और उसके पिता अनिल जय सिंघानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया. गुप्ता ने बताया कि इस आरोपी के साथ अलीराजपुर के तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही के मधुर संबंध थे.

फाईल फोटोः- फरार आरोपी अनिल जय सिंघानी के साथ शाजापुर जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही

सार्थक एप में फर्जी उपस्थिति...

जिला आबकारी अधिकारी रंगशाही के फर्जीवाड़े पर शोध ग्रंथ तैयार हो सकता है. अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति के लिए सरकार ने सार्थक उपस्थिति एप लाए हैं, जिससे अधिकारियों की कार्यालय में उपस्थिति एवं आने-जाने का समय सुनिशिचित हो सके, लेकिन विनय रंगशाही ने यहां भी फर्जीवाड़े को हथियार बनाकर मोबाइल पर फर्जी फोटो लगाकर सार्थक एप को ही चुनौती दे दी. इस मामले में कलेक्टर ने एक जांच दल बनाया था, जिसमें डिप्टी कलेक्टर, जिला कोषालय अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी और ई गर्वनेंस के अधिकारी शामिल थे. जिन्होंने अपने जांच प्रतिवेदन में बताया था कि जिला आबकारी अधिकारी ने मोबाईल/ कम्प्यूटर पर पूर्व से उपलब्ध फोटो को चेक इन किया है. सार्थक एप रिपोर्ट अनुसान चेक इन कार्यालय समय में नहीं किया गया है.

आखिर क्या कनेक्शन है अनिल जय सिंघानी और विनय रंगशाही का...?

मुख्यमंत्री की पत्नी को ब्लैक मेल करने के मामले में जिस आरोपी अनिल जय सिंघानी को गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार किया, उसके संबंध अलीराजपुर के पूर्व और वर्तमान में शाजापुर के जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही से मधुर हैं. यही कारण है कि फरारी के दौरान भी आरोपी के साथ विनय रंगशाही का वीडियो-फोटो उस समय भी चर्चा में थे और आज एक बार फिर चर्चा में है. अनिल जय सिंघानी क्रिकेट का सट्टा, आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग और सट्टेबाजी के 5 हजार करोड़ के मामले में ईडी भी उसे तलाश रही थी. शराब तस्करी के मामले में भी 2020 में ये चर्चा में आया. अब इस मामले में यदि निष्पक्ष एजेंसी से जांच कराई जाए, तो जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही और आरोपी अनिल जय सिंघानी के कनेक्शन का पता चल सकता है. राजेंद्र के. गुप्ता ने बताया कि आरोपी अनिल जय सिंघानी के संबंध दाऊद गैंग से भी रहे हैं.

इनका कहना है...

लगातार अनुपस्थित रहना, प्रशासनिक कार्यों के प्रति लापरवाही, यहां तक कि वीआईपी मूवमेंट, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भी लापरवाही और लगातार नोटिस देने के बाद भी कोई जवाब नहीं देना, सार्थक एप में फर्जी तरीके से फोटो अपलोड करना, वर्तमान में आबकारी नीति के तहत जिले में नीलामी सम्पादित होना है, उसमें भी वे लगातार अनुपस्थित रहे. उनकी यह लापरवाही सिविल सेवा आचरण की श्रेणी में आता है.

- ऋजु बाफना, कलेक्टर-शाजापुर

मैं किसी अनिल जय सिंघानी को नहीं जानता हूं. ये पुराना वीडियो है, जो एडिट करके वायरल किया जा रहा है. इन सब मामलों में सभी जांचों में मुझे क्लीन चिट मिली है. अनिल जय सिंघानी कौन है, मैं उससे कभी नहीं मिला हूं.

- विनय रंगशाही, जिला आबकारी अधिकारी, शाजापुर

जैन समाज ने नगर के कलमकारों का किया सम्मान

शाजापुर, 18 मार्च. बेरछा नगर में गत दिनों श्री संभवनाथ नाकोड़ा शत्रंजय धाम का पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ. श्री अपूर्वमंगल जैन श्वेतांबर ट्रस्ट एवं सकल श्री संघ ने नगर के कलमकारों बेरछा प्रेस क्लब अध्यक्ष मनोज यादव, संरक्षक प्रवीण शर्मा, आनंद आर्य सहित वरिष्ठों और जनप्रतिनिधि का बहुमान किया. वहीं जैनाचार्य व्रजरत्नसागर जी मसा से पत्रकारों ने भेंट कर संतों का आशीर्वाद लिया. अपने आशीर्वाद में मसा ने समाज मे सही दिशा के लिए पत्रकारिता के योगदान की सराहना की. इस दौरान समाज के सुरेश चंद्र जैन, महेश जैन, राजेंद्र जैन, संजय जैन, नितेश जैन, रवि जैन आदि मौजूद थे.

गरीबों के खाद्यान्न पर डाका - भाग 2

मैनेजर शर्मा के कार्यकाल की जांच कराओ, तो सैकड़ों क्विंटल खाद्यान्न कम मिलेगा

ईओडब्ल्यू में हो सकती है सुमित शर्मा के कार्यकाल की शिकायत

शाजापुर, 18 मार्च. सरकार गरीबों का पेट भरने के लिए खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है और जिनके कंधों पर गरीबों को खाद्यान्न पहुंचाने की जिम्मेदारी थी, वे ही गरीबों के निवाले पर डाका डालकर सरकारी अनाज बेचने में लगे हुए हैं. गेहूं, चावल, चने के सैकड़ों बोरों को सरकार की नजर में खराब बता दिया और व्यापारियों को बेच दिया. वेयर हाउस के कर्मचारी ने इस पूरे मामले की पोल खोली और ऐसे कई ऑडियो हैं, जिसमें मैनेजर सुमित शर्मा और संबंधित कर्मचारी के बीच अनाज बेचने के बाद पैसे के लेन-देन की बात है. तीन दर्जन से अधिक ऐसे ही ऑडियो नवभारत के पास मौजूद हैं. जिसमें मैनेजर सुमित शर्मा और बर्खास्त कर्मचारी के बीच पैसे का हिसाब-किताब हो रहा है.

गौरतलब है कि सांपखेड़ा स्थित मप्र वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मैनेजर सुमित शर्मा जिनके अंडर में जिले में वेयर हाउस का लेखा-जोखा है. किसके यहां कितना खाद्यान्न रखना है, किस वेयर हाउस में कमी बताना है, किस वेयर हाउस का खाद्यान्न खराब बताना है, सब इनके हाथ में है. इसी का फायदा उठाकर वे जब से पदस्थ हुए हैं, उन्होंने अभी तक सैकड़ों बोरे चावल, गेहूं, चना व्यापारियों को बेच दिए हैं. ये आरोप बर्खास्त कर्मचारी द्वारा लगाए गए हैं, जो ऑडियो के रूप में नवभारत को मिले हैं. वहीं दूसरी ओर मैनेजर सुमित शर्मा अपने आप को पाक साफ बताते हुए आउटसोर्स पर रखे कर्मचारी को ही गलत बता रहे हैं. तो सवाल यह उठता है कि यदि कर्मचारी ने खाद्यान्न की चोरी या बाजार में बेचा है, तो उसके खिलाफ अभी तक अपराधिक मामला दर्ज क्यों नहीं कराया है. इससे साफ होता है कि इस पूरी मिलीभगत में सुमित शर्मा की भी भूमिका संदिग्ध है.

ईओडब्ल्यू में हो सकती है शिकायत...

गरीबों के लिए आए खाद्यान्न में फर्जीवाड़ा कर व्यापारी को बेचने के मामले में आर्थिक अपराध अनुसंधान (ईओडब्ल्यू) उज्जैन में सुमित शर्मा के खिलाफ शिकायत हो सकती है. वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इस मामले को लोकायुक्त में भी दर्ज करा सकते हैं. आने वाले समय में सुमित शर्मा के खिलाफ इन दोनों संस्थाओं में से किसी में शिकायत दर्ज हो सकती है. जिसकी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है.

रिकॉर्ड का यदि मिलान किए जाए, तो उजागर हो सकता है फर्जीवाड़ा

यदि बारीकी से और निष्पक्ष जांच की जाए, तो मैनेजर सुमित शर्मा का फर्जीवाड़ा उजागर हो सकता है, क्योंकि अपनी पदस्थापना से लेकर अभी तक उन्होंने सैकड़ों क्विंटल खाद्यान्न को बर्खास्त कर्मचारी के माध्यम से व्यापारियों को बेच दिया है. ऐसे कई व्यापारियों की सूची नवभारत के पास है, जिन्होंने गरीबों का खाद्यान्न खरीदा है. साथ ही तोलकांटे पर भी पूरा रिकॉर्ड मौजूद है. अब देखना है कि इस मामले में बारीकी से और निष्पक्ष जांच होती है या फिर भ्रष्टाचार के नाम पर जांच को दबा दिया जाएगा.

इनका कहना है

कर्मचारी द्वारा झूठी शिकायत की जा रही है. मामले की पहले भी जांच हो चुकी है. हर जांच कराने के लिए मैं तैयार हूं.

-सुमित शर्मा, मैनेजर

कोतवाली के सामने बजरंग दल का उग्र प्रदर्शन

प्रधान आरक्षक पर 20 हजार की रिश्वत मांगने का आरोप, हटाने की मांग

शाजापुर,18 मार्च. शहर के कोतवाली थाने के सामने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा करते हुए हाईवे पर चक्का जाम कर दिया. यह उग्र प्रदर्शन कोतवाली थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक गंगा सिंह कटारे द्वारा कथित तौर पर रिश्वत मांगने और पदाधिकारियों के साथ अभद्रता करने के विरोध में किया गया. थाना प्रभारी को सौंपे गए लिखित शिकायत पत्र में बजरंग दल के जिला संयोजक सचिन चावड़ा ने गंभीर आरोप लगाए. ज्ञापन में बताया गया है कि प्रधान आरक्षक गंगा सिंह कटारे ने कार्यकर्ताओं के एक मामले को लेकर 20,000 रुपये की रिश्वत की मांग की.

कोतवाली के बाहर प्रदर्शन करते कार्यकर्ता

जब संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस विषय पर प्रधान आरक्षक से फोन पर चर्चा करनी चाहीए तो उसने न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया, बल्कि यह कहते हुए फोन काट दिया कि तुमसे जो बने वो कर लेना. इस घटना से आक्रोशित होकर बजरंग दल के दर्जनों कार्यकर्ता थाने के बाहर एकत्रित हो गए और हाईवे पर धरना शुरू कर दिया. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. प्रदर्शनकारियों ने आक्रोशपूर्ण नारे लगाते हुए प्रधान आरक्षक गंगा सिंह कटारे के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया. साथ ही बजरंग दल ने पुलिस प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए मांग की है कि आरोपी प्रधान आरक्षक को तत्काल प्रभाव से कोतवाली थाने से हटाया जाए. पुलिस अधिकारियों ने बजरंग दल कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि प्रधान आरक्षक को थाने से हटा दिया गया है जिसके बाद मामला शांत हुआ. इस दौरान बड़ी संख्या में कायकर्ता मौजूद रहे.

गणगौर की फूलपाती में झलकी आस्था और परंपरा

पारंपरिक वेशभूषा के साथ शामिल हुई महिलाएं

शुजालपुर, 18 मार्च. क्षेत्र में गणगौर पर्व की रौनक अब चरम पर पहुंचने लगी है. विभिन्न समाजों द्वारा पारंपरिक रूप से फूलपाती निकालकर पर्व मनाया जा रहा है. इसी कड़ी में बुधवार को माहेश्वरी महिला मंडल अकोदिया द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ गणगौर की फूलपाती निकाली गई.

कार्यक्रम की शुरुआत श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में माता गौरी की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई. महिलाओं और युवतियों ने सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना करते हुए पूजा की. इसके बाद बैंडबाजों के साथ आकर्षक फूलपाती निकाली गई, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं. फूलपाती मंदिर से प्रारंभ होकर साईनाथ प्रिंटर्स, श्री सिद्धि विनायक चौराहा, झंडा चौक और टप्पा चौराहा होते हुए पुनः मंदिर पहुंची. मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया. फूलपाती का स्वागत माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष प्रीती सोमानी, समाज के नगर अध्यक्ष अनिल लाहोटी सहित समाजजनों ने किया. आयोजन में समाज के पूर्व अध्यक्ष अशोक लाहोटी, जिलाध्यक्ष अजय राठी, नगर सचिव पंकज सोमानी, कोषाध्यक्ष प्रमोद लाहोटी सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल की पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहीं.

नव संवत्सर 2083 का होगा भव्य स्वागत

नगर में नववर्ष पर होगें विभिन्न धार्मिक आयोजन, शक्ति की भक्ति होगी शुरू

शुजालपुर, 18 मार्च. हिन्दू नव संवत्सर वर्ष 2083 का अभिनंदन गुरूवार को श्रद्धा भाव और सादगी के साथ किया जाएगा. इसको लेकर देवालयों सहित अन्य स्थलों पर की जा रही तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. नव वर्ष के शुभारंभ दिवस पर नगर में प्रभात फेरी व महाआरती का आयोजन किया जाएगा.

प्रातः सूर्योदय के समय 6.15 पर सूर्य भगवान को अर्ध्य देकर सूर्यदेव को नमन किया जाएगा. नववर्ष के स्वागत में नागरिकों द्वारा घरों के सामने रंगोली बनाई जाएगी. साथ ही वंदनवार भी लगाए जाएगें. उधर शाम के समय घरों पर दीपमाला लगाकर अपने अपने घरों को सजाने के अलावा भगवा ध्वज लगाकर नवसंवत्सर का स्वागत किया जाएगा.

शक्ति की भक्ति होगी प्रारंभ

हिन्दु नव वर्ष के साथ ही चेत्र नवरात्रि का शुभारंभ भी होगा. जिसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. नगर स्थित विभिन्न देवी मंदिरों व घरों में घट स्थापना के साथ शक्ति की भक्ति का दौर प्रारंभ हो जाएगा. चैत्र नवरात्रि के चलते देवी मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया की जा रही है. नगर स्थित दुर्गा दरबार, गायत्री मंदिर, कामेश्वरी मंदिर ,केलादेवी मंदिर, माँ काली मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, जटाशंकर मंदिर सहित अन्य देवालयों में नौ दिनों तक विभिन्न धार्मिक आयोजन होगें.

जटाशंकर पर होगा 9 दिवसीय आयोजन...

सिद्ध क्षेत्र श्री जटाशंकर महादेव मंदिर परिसर में विराजित मां बाला त्रिपुर सुंदरी राजराजेश्वरी नवदुर्गा मां की चैत्रीय नवरात्रि में गुडी पड़वा से प्रात: काल घट स्थापना कर भगवती का दिव्य श्रृंगार, सप्तशती पाठ, नित्य होम 9 दिनों तक करते हुए आराधना की जाएगी. इस पर्व के चलते मंदिर परिसर में आकर्षक सज्जा की गई. मंदिर के पुजारी पं. जितेन्द्र चौबे ने बताया कि नवरात्रि का आयोजन 19 मार्च से प्रारंभ होगा और दशमी पर दिव्य हवन तथा भव्य कन्या भोजन के साथ ज्वारों के विसर्जन के साथ संपन्न किया जाएगा.

धूमधाम से मनाई जाएगी गुड़ी पड़वा

नगर में गुरूवार को महाराष्ट्रीयन समाज द्वारा गुड़ी पड़वा का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा. इस दौरान महाराष्ट्रीयन समाज के लोगों द्वारा अपने घरों पर प्रतीक स्वरूप ध्वजा में नये कपड़े एवं लोटा बांधने की परम्परा का निर्वाहन करेंगे. महाराष्ट्रीयन समाज द्वारा परम्परागत तरीके से अपने घरों पर ध्वजा-पताका के रूप में साड़ी एवं लोटा टांग कर इसकी पूजा की जाएगी. ऐसा माना जाता है किइस दिन से नए साल का प्रारंभ होता है इसलिए इसका अधिक महत्व होता है गुड़ी पड़वा के दिन भोजन में पूरनपोली बनाकर उसका भोग लगाया जाता है. महाराष्ट्रीयन समाज द्वारा पारंपरिक तरीके से इस नववर्ष की अगवानी करते हुए सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा की तथा सूर्योदय के साथ ही घर की छत पर प्रतिकात्मक रूप में गुड़ी को बांधेगे.

एक नजर में — नाला निर्माण में मानक अनुसार नहीं लग रहा सरिया, न ही तराई की जा रही

घटिया निर्माण की नींव पर शुरू हुआ शाजापुर का फोरलेन

शाजापुर, 18 मार्च. शाजापुर के सौंदर्यीकरण के लिए एक तरफ विधायक सरकार से शहरवासियों के लिए करोड़ों की सौगात ला रहे हैं. वहीं दूसरी ओर ठेकेदार विधायक की मंशा पर पानी फेरने में लगे हुए हैं. घटिया निर्माण ठेकेदारों की आदत बन चुकी है. शाजापुर के फोरलेन की शुरुआत ही घटिया निर्माण से की जा रही है. अभी रोड के दोनों तरफ जो नाला बनाया जा रहा है, उस में मापदंड के अनुसार सरिये का उपयोग नहीं किया जा रहा है. न ही नाला निर्माण के बाद मजबूती के लिए उस पर पानी की तराई की जा रही है. जिससे आने वाले समय में नाले की दीवार स्वतः ही गिरने की आशंका है.

गौरतलब है कि शाजापुर शहर के सौंदर्यीकरण के लिए 70 से 80 करोड़ की लागत से फोरलेन बनाया जा रहा है, जिसका ठेका मुरैना के किसी ठेकेदार को मिला है, लेकिन ठेकेदार ने शुरुआत में ही अपने घटिया निर्माण की मंशा जाहिर कर दी है. उनके निर्माण को देखकर लग रहा है कि यदि समय रहते ठेकेदार पर अंकुश नहीं लगाया, तो शहर को घटिया निर्माण की सौगात मिलेगी. जबकि शाजापुर विधायक अरुण भीमावद की मंशा है कि शहर का सौंदर्यीकरण हो और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य हो, लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग और ठेकेदार की मिलीभगत कहें कि घटिया निर्माण होने के बाद भी ठेकेदार पर कार्यवाही करने के बजाय मौन साधे हुए है. नाले में जो सरिया मापदंड के अनुसार लगाना था, उसकी जगह ठेकेदार अपनी मर्जी से सरिया लगा रहा है.

अभी तक बनाए गए नाले में नहीं हुई तराई

निर्माणाधीन नालों को घटिया तरीके से बनाया जा रहा है. लेकिन अभी भी किसी नाले की मजबूती के लिए पानी से तराई नहीं की गई है. यही कारण है कि इस भीषण गर्मी में जगह-जगह नाले में दरारें अभी से देखने को मिल रही हैं. समय रहते यदि ठेकेदार और निर्माण कार्य पर अंकुश नहीं लगाया, तो शाजापुर को अन्य घटिया निर्माण की तरह शाजापुर का फोरलेन भी घटिया निर्माण की भेंट चढ़ जाएगा.

10 एमएम की जगह 8 एमएम सरिया लगा रहे

शाजापुर फोरलेन में सड़क किनारे जो नाला बनाया जा रहा है, उसमें 10 एमएम सरिया लगाना था, लेकिन 8 एमएम सरिया लगा दिया गया. अभी फोरलेन की शुरुआत ही है और शाजापुर के फोरलेन में भ्रष्टाचार की नींव रखी गई है. ऐसा नहीं है कि नाले पर किसी की नजर नहीं पड़ी है. रोज पीडब्ल्यूडी के अधिकारी निकलते हैं, लेकिन वे इस भ्रष्टाचार को या तो देखना नहीं चाहते हैं या इस भ्रष्टाचार में वे भी डूबकी लगा चुके हैं. वहीं दूसरी ओर जो नाले में सीमेंट कांक्रिट का रेशो है, उसमें भी मानकों का ध्यान नहीं रखा जा रहा है.

इनका कहना है

मामले को दिखवाते हैं. ठेकेदार से गुणवत्तापूर्ण कार्य कराया जाएगा. पानी की तराई के लिए आदेशित किया जाएगा. साथ ही सरिये की गुणवत्ता की भी जांच कराई जाएगी.

- हर्षवर्धन मूवेल, ईई, पीडब्ल्यूडी